एक नजर में

गुना की दो पंचायतें बनीं 'सुपोषित ग्राम'

गुना। कुपोषण मुक्त भारत की दिशा में गुना जिले ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान' के तहत राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित संकेतकों और गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जिले की दो पंचायतों का चयन किया गया है। परियोजना आरोन के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देहरीखुर्द और रोरिया ने इस अभियान में बाजी मारी है।

चयनित दोनों ग्राम पंचायतों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए शासन की ओर से 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि पंचायतों में पोषण और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रावधानित की गई है। इस गौरवशाली कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी और चयनित पंचायतों को सम्मानित करेंगी। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, इस राष्ट्रीय सम्मान समारोह में चयनित ग्राम पंचायतों के सरपंच या पंच के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी सहभागिता करेंगी।

गुना में होली के उल्लास में हुड़दंग का तड़का

कहीं महिलाओं से बदसलूकी तो कहीं दुकान में तोड़फोड़

नवभारत न्यूज

गुना 5 मार्च का। शहर में बुधवार को होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, लेकिन खुशियों के इस माहौल में कुछ शरारती तत्वों ने रंग में भंग डालने की भरपूर कोशिश की। शहर के विभिन्न इलाकों में हुड़दंगियों द्वारा उत्पात मचाने और मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे नागरिकों में रोष व्याप्त है।

दोपहर करीब डेढ़ बजे बजे शहर की सड़कों पर अफरा-तफरी का माहौल तब देखने को मिला, जब मोटरसाइकिल सवार 2-3 युवक तेज रफ्तार में घूमते हुए महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाने लगे। नेहरू पार्क, हनुमान चौराहा, हाट रोड, सदर बाजार, बैजू चौराहा और कमला बस गैरेज जैसे व्यस्त इलाकों में इन युवकों ने जबरन गुलाल डालकर महिलाओं के साथ अभद्रता की। प्रत्यक्षदर्शियों ने इन हरकतों पर कड़ी नाराजगी जताई और त्योहार के दौरान पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की। जज्जी बस स्टैंड पर भी होली की मस्ती देखते ही देखते विवाद में बदल गई। शुरूआत में लोग मिल-जुलकर होली खेल रहे थे, लेकिन तभी किसी बात को लेकर दो पक्षों में ठन गई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए और मारपीट पर उतारू हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सिटी कोतवाली क्षेत्र के पठार मोहल्ला से भी हिंसा की खबर आई है। यहाँ अनिल कुशवाह नामक व्यक्ति की दुकान को एक युवक ने निशाना बनाया। घटना के वक्त अनिल की बुजुर्ग माँ दुकान पर अकेली थीं। आरोपी ने दुकान के भीतर घुसकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, काउंटर और अन्य कीमती सामान को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

पीड़ित पक्ष ने सिटी कोतवाली में मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गुना जिला जेल में दिखी भावुक कर देने वाली होली, सलाखों के पीछे बहनों ने भाइयों को लगाया तिलक

होली के दूसरे दिन 'दोज' के अवसर पर गुना जिला जेल में एक भावुक और आत्मीय नजारा देखने को मिला। जेल में बंद अपने भाइयों को तिलक लगाने और होली की शुभकामनाएं देने के लिए बड़ी संख्या में बहनें जेल परिसर पहुंचीं। जेल प्रशासन द्वारा की गई विशेष व्यवस्थाओं के बीच भाई-बहन के इस मिलन ने जेल के अनुशासन भरे माहौल को पारिवारिक उल्लास और भावनाओं से भर दिया। जेल अधीक्षक अतुल सिन्हा के निर्देशन में सुबह 10 बजे से ही मुलाकातों का सिलसिला शुरू कर दिया गया था, जो दोपहर 3 बजे तक अनवरत जारी रहा। जिला जेल में बंद कुल 316 बंदियों से मिलने आई बहनों की सुविधा के लिए जेल प्रशासन ने टेंट, शीतल पेयजल, रोली और गुलाल का व्यापक प्रबंध किया था। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए एक बंदी से मिलने के लिए अधिकतम 5 महिलाओं को प्रवेश दिया गया, हालांकि 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के प्रवेश पर कोई पाबंदी नहीं रखी गई। सुरक्षा की दृष्टि से जेल के अंदरूनी हिस्से की कमान नियमित जेल स्टाफ ने संभाली, जबकि बाहरी परिसर में जिला पुलिस बल के जवान तैनात रहे। जेल की दीवारों के भीतर जब बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, तो कई बहनों की आँखों में आँसू छलक आए। जेल अधीक्षक अतुल सिन्हा और उनके समस्त स्टाफ की सक्रियता से यह पूरा आयोजन बेहद व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। यह अवसर केवल एक त्योहार का मिलन नहीं, बल्कि बंदियों के आत्म-सुधार और पारिवारिक जुड़ाव का एक महत्वपूर्ण जरिया भी बना।

गुना में होली की धूम : कलेक्टर और एसपी ने जमकर उड़ाया गुलाल

शहर में बुधवार को होली का पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर की सड़कों और गली-मोहल्लों में हुरियारों की टोली नजर आई, जिन्होंने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। मुख्य बाजारों से लेकर रिहायशी इलाकों तक हर तरफ फाग के गीतों और ढोल की थाप पर लोग झूमते नजर आए। शहर के प्रमुख केंद्रों जैसे जयस्तंभ चौराहा, हनुमान चौराहा, कैंट चौराहा और बूढ़े बालाजी क्षेत्र में युवाओं की भारी भीड़ रही। सदर बाजार की तंग गलियों से लेकर मुख्य मार्गों तक लोगों ने जमकर होली खेली। इस दौरान महिलाओं, बच्चों और कपल्स में भी खासा उत्साह देखा गया, जिन्होंने एक-दूसरे को रंगों से सराबोर कर त्योहार का आनंद लिया। प्रशासनिक स्तर पर भी होली का रंग गहरा नजर आया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के बंगले पर होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कन्याल और एसपी अंकित सोनी ने न केवल लोगों को पर्व की बधाई दी, बल्कि खुद भी गुलाल उड़ाते हुए और संगीत की धुनों पर नाचते-झूमते नजर आए। अधिकारियों का यह अनौपचारिक अंदाज चर्चा का विषय रहा।

राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी आयोजनों की कड़ी दिखाई दी। हनुमान चौराहे पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार के नेतृत्व में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में कार्यकताओं और आमजनों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। कुल मिलाकर, छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पूरे शहर में शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में रंगों का यह उत्सव संपन्न हुआ।

कुंभराज : साहू समाज महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया होली उत्सव

नवभारत न्यूज

कुंभराज। साहू धर्मशाला में साहू समाज महिला मंडल द्वारा होली उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज की महिलाओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और समाज में प्रेम, एकता तथा सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।

बैठक में निर्णय लिया कि 15 मार्च को मां कर्मा जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन किए जाएंगे। इसी क्रम में 15 से 20 वर्ष की बालिकाओं के लिए मेहंदी और रामायण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। महिला मंडल ने संकल्प लिया कि इस वर्ष मां कर्मा जन्मोत्सव को अत्यंत भव्य और गरिमामयी रूप से मनाया जाएगा। इस उत्सव में साहू समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या में शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला मंडल अध्यक्ष ममता साहू, नगर परिषद अध्यक्ष शारदा देवी साहू, तहसील अध्यक्ष रमा साहू और तैलीक साहू सभा की प्रदेश महिला प्रकोष्ठ महासचिव शोभा साहू उपस्थित रहीं। उनके साथ ही निर्माण समिति अध्यक्ष रचना साहू, राम कन्या साहू, रिंकी साहू, सुनीता साहू, अनीता साहू, हेमलता साहू, पूजा साहू, चंचल साहू, गीता साहू, सावित्री साहू, मंजू साहू, सोना साहू, पिंकी साहू, सुशीला साहू, नीतू साहू, रजनी साहू, रीना साहू और नीलम साहू सहित समाज की अनेक महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित महिलाओं ने समाज की एकता को और अधिक मजबूत करने तथा संगठन के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का सामूहिक संकल्प लिया।

कलेक्टर-एसपी की मौजूदगी में पुलिस बल ने मनाया होली मिलन समारोह

गुना। त्यौहारों पर आमजन की सुरक्षा में तैनात रहने वाले पुलिस बल ने गुरुवार को अपनी होली पूरे उत्साह के साथ मनाई। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के मार्गदर्शन में गुरुवार प्रात: गुना पुलिस लाइन के परेड मैदान पर भव्य 'होली मिलन समारोह' आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिले भर के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

रंगों का त्यौहार होली पूरे जिले में शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जब आम नागरिक अपने परिवारों के साथ होली मना रहे थे, तब पुलिस बल मुस्तैदी से सड़कों पर तैनात था। इसी के चलते पुलिस बल के लिए विशेष रूप से आज के दिन इस समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक बंगले से कलेक्टर और एसपी एक जुलूस के रूप में समारोह स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ होली खेली। समारोह में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के साथ एसडीएम शिवानी पाण्डेय, डीएसपी मुख्यालय जमीलउद्दीन सिद्दीकी, एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे, एसडीओपी गुना विवेक अष्ठाना और रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध?याय सहित जिले के समस्त थाना और चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई दी और मधुर संगीत के बीच रंगों का आनंद लिया। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने इस दौरान जिले में कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने देने और मुस्तैदी से ड्यूटी करने के लिए पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इसी प्रकार सजगता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करें और हंसते-हंसाते व खुश रहकर पुलिस सेवा को आगे बढ़ाएं।

रसूखदारों और सांठगांठ के खेल में थम नहीं रहा अवैध उत्खनन

नवभारत न्यूज

गुना/मधुसूदनगढ़। जिले के राघोगढ़ अनुभाग के तहत आने वाले ग्राम रूगनाथपुरा में पिछले कई दिनों से अवैध उत्खनन का खेल धड़ल्ले से जारी है। प्रशासन की सख्ती और टीम के गठन के बावजूद रसूखदार माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध उत्खनन में शामिल बड़े रसूखदार स्थानीय कर्मचारियों के साथ मिलकर इस काले कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। जैसे ही प्रशासन की कोई टीम मुख्यालय से रवाना होती है, इसकी जानकारी माफियाओं तक पहुँच जाती है। नतीजतन, टीम के मौके पर पहुँचने से पहले ही मशीनें और डंपर गायब कर दिए जाते हैं। रूगनाथपुरा में अवैध उत्खनन बेखौफ होने की एक बड़ी वजह इसकी भौगोलिक स्थिति भी है। मधुसूदनगढ़ से रूगनाथपुरा की दूरी लगभग 20 किलोमीटर है। खराब रास्तों और दूरी के कारण सरकारी टीम को पहुँचने में करीब 1 घंटा लग जाता है। यही एक घंटा माफियाओं के लिए 'सेफ पैसेज' बन जाता है, जिससे वे भागने में सफल रहते हैं। अवैध उत्खनन की शिकायतें राघोगढ़ एसडीएम अमित सोनी के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने एक विशेष टीम भी गठित की है। बावजूद इसके, धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। प्रशासन की टीम पहुँचती तो है, लेकिन खाली हाथ लौटने को मजबूर हो जाती है। क्षेत्र के निवासियों ने मांग की है कि सूचना लीक करने वाले 'विभीषणों' पर कार्रवाई की जाए और औचक निरीक्षण की जगह तकनीकी निगरानी या ड्रोन का इस्तेमाल कर माफियाओं को रंगे हाथों पकड़ा जाए।

कक्षा 5वीं और 8वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू

गुना। जिले में कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षाओं के संपन्न होने के बाद अब उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य विकासखंड स्तर पर तेजी से शुरू कर दिया गया है। 20 फरवरी से 28 फरवरी तक जिले के 186 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हुई इन परीक्षाओं के बाद, कॉपियों की जांच के लिए जिले के पांचों विकासखंडों में पांच विशेष मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए गए हैं। शासन के निदेर्शानुसार यह मूल्यांकन कार्य 05 मार्च से प्रारंभ होकर 14 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना है। पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जिसमें कक्षा 8वीं की हिंदी व अंग्रेजी माध्यम की 1,25,509 और कक्षा 5वीं की 99,450 उत्तर पुस्तिकाओं है।

मधुसूदनगढ़ क्षेत्र के नसीरपुर में दिखा पारंपरिक गैर का उत्साह

गुना। मधुसूदनगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम नसीरपुर में होली का पर्व अपनी वर्षों पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के साथ मनाया गया। गाँव में भव्य 'गैर' निकाली गई, जिसमें भक्ति और उत्साह का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा वातावरण रंगमय हो उठा। इस पारंपरिक आयोजन में युवाओं और बुजुर्गों के साथ-साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। परंपरा के अनुसार, ग्रामवासियों ने सबसे पहले गाँव के प्रमुख मंदिरों में पहुँचकर आराध्य देवी-देवताओं को गुलाल अर्पित किया। सामूहिक रूप से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करने के बाद उत्सव की औपचारिक शुरूआत हुई। मंदिरों में दर्शन के पश्चात पारंपरिक वेशभूषा में सजे ग्रामीणों ने ढोल-ढमाकों की थाप पर गैर निकाली। फाग गीतों की मधुर गूंज के साथ जब गैर गाँव के मुख्य मार्गों से गुजरी, तो हर तरफ उल्लास छा गया। ग्रामीणों ने जगह-जगह फूल-वर्षा और गुलाल के साथ गैर का आत्मीय स्वागत किया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस रंगोत्सव के भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। यह आयोजन केवल रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे की अनूठी मिसाल बनकर उभरा। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को गले लगाकर होली की बधाई दी और आपसी प्रेम का संदेश दिया। स्थानीय बुजुर्गों का कहना है कि यह परंपरा गाँव की एकता और सांस्कृतिक पहचान को आज भी जीवित रखे हुए है। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और सौहार्द का विशेष वातावरण बना रहा, जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक रहा।

आज नि :शुल्क कान परीक्षण शिविर

गुना। विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर आमजन में कान के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष पहल की जा रही है। शुक्रवार, 06 मार्च को जिला चिकित्सालय परिसर स्थित डीईआईसी भवन में एक दिवसीय विशाल नि:शुल्क कान परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य श्रवण हानि से बचाव और कानों की देखभाल के प्रति नागरिकों को जागरूक करना है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मौजूद रहेगी, जो मरीजों को परामर्श देने के साथ-साथ आवश्यक उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेगी। कार्यक्रम में नागरिकों को कानों की स्वच्छता, ध्वनि प्रदूषण से बचाव और समय रहते उपचार के महत्व के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

नियमों की धज्जियां | **नियमों को ठेंगा : छात्रा को कुचलने के बाद प्रशासन ने लगाई थी 'नो-एंट्री'**

होली के हुड़दंग के बीच दिनदहाड़े शहर में घुसे भारी वाहन

नवभारत न्यूज

गुना 5 मार्च का। शहर के बायपास रोड पर 27 फरवरी को इंडस्ट्रियल एरिया पत्रकार कॉलोनी और मारुति शोरूम के पास हुई उस दर्दनाक घटना को लोग अभी भूले भी नहीं हैं, जिसमें एक ट्रक ने छात्रा को बेरहमी से कुचल दिया था। गंभीर रूप से घायल छात्रा आज भी अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है। इस घटना के बाद उपजे जनाक्रोश और चक्का जाम को देखते हुए प्रशासन ने मारुति शोरूम से भुल्लनपुरा चौराहे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर दिन में रोक लगा दी थी, लेकिन बुधवार को होली के उल्लास के बीच नियमों की धज्जियां उड़ती नजर आईं।

प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए थे कि भारी वाहनों का आवागमन केवल रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक ही रहेगा और इसकी सूचना कुसमोड़ा चौकी के पास बाकायदा प्रदर्शित भी की गई थी। इसके बाद से दिन में ट्रकों का निकलना बंद हो गया था, जिससे स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली थी।

लेकिन बुधवार दोपहर करीब 1:00 बजे, जब पूरा शहर होली के त्यौहार की चहल-पहल में डूबा हुआ था, अचानक इसी प्रतिबंधित रोड पर भारी भरकम ट्रकों की कतारें नजर आने लगीं। त्योहार के समय सड़कों पर उमड़ी भीड़ के बीच इन ट्रकों के निकलने से स्थानीय लोगों में गहरा गुस्सा देखा गया। जब स्थानीय लोगों ने इस उल्लंघन पर सवाल उठाए, तो ट्रक ड्राइवरों का कहना था कि उन्हें ट्रांसपोर्ट विभाग से अनुमति मिल गई है और वे सीधे माल गोदाम जा रहे हैं।

42 वाहनों को निकालने के निर्देश

वहीं, कुसमोड़ा चौकी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने तर्क दिया कि इमरजेंसी की स्थिति में कुल 42 वाहनों को निकालने के निर्देश दिए गए हैं।

हालांकि, स्थानीय निवासियों का सवाल है कि प्रशासन ने इस संवेदनशील रोड पर भारी वाहनों को निकालने के लिए होली का दिन ही क्यों चुना, जब सड़कों पर बच्चों और युवाओं की आवाजाही सबसे अधिक रहती है? दिन में 'नो-एंट्री' होने के बावजूद इस तरह की ढिलाई किसी बड़ी अनहोनी को फिर से न्योता दे सकती है।

बमोरी के आदिवासी पटेलिया समाज ने श्रद्धा के साथ पूजे 'लक्कड़ देवता'

गुना। जिले के बमोरी ब्लॉक में होली के दूसरे दिन आदिवासी पटेलिया समाज की अनूठी और प्राचीन परंपरा का नजारा देखने को मिला। बुधवार, 4 मार्च को शाम 4 बजे से क्षेत्र के करीब आधा दर्जन गांवों में लक्कड़ देवता की विशेष पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान के साथ प्रारंभ हुई। इस पारंपरिक आयोजन में डोमावन, भैंस टोरी, लीलझिरी, नागदा और रोयपुर सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में भारी उत्साह देखा गया, जहाँ समाज के लोग अपनी मन्नतें पूरी होने की खुशी में एकत्रित हुए।

पटेलिया समाज की इस मान्यता के अनुसार, श्रद्धालु लक्कड़ देवता के समक्ष अपनी मुरादें मांगते हैं और जब अगले वर्ष वह मुराद पूरी हो जाती है, तो मन्नत के फेरे लगाए जाते हैं। इस पूजा की सबसे विशिष्ट बात 20 से 30 फीट ऊंची लकड़ी की मचान होती है, जिस पर पेड़ों की छाल से बनी मजबूत रस्सियां लटकाई जाती हैं। मचान के ऊपरी हिस्से पर बैठे लोग इसे गोल चक्कर में घुमाते हैं, जिसके सहारे मन्नतधारी हवा में झूलते हुए पूरी श्रद्धा के साथ 3, 5 या 7 फेरे पूरे करते हैं। गांवों में इस आयोजन ने एक बड़े उत्सव का रूप ले लिया, जिसमें पारंपरिक गीतों और वाद्य यंत्रों की गूँज के बीच समाज के बुजुर्गों और युवाओं ने अपनी संस्कृति को जीवंत रखा। पिछली साल मांगी गई मन्नतें पूरी होने पर श्रद्धालुओं ने अटूट आस्था के साथ लक्कड़ देवता का आभार जताया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जगदीश सोनी पिता हरबस लाल सोनी (JAGDISH SONI S/O HARBANS LAL SONI) निवासी एच 121 गुलाब भवन भगवंती बस्ती गुना का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, वोटर कार्ड, बैंक पासबुक सहित अन्य दस्तावेजों में मेरा जगदीश सोनी पिता हरबस लाल सोनी (JAGDISH SONI S/O HARBANS LAL SONI) दर्ज है। जबकि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम जगदीश प्रसाद सोनी पिता हरबस लाल सोनी (JAGDISH PRASAD SONI S/O HARBANS LAL SONI) है। अत: मेरे पासपोर्ट में आधार कार्ड, पेन कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों की तरह मेरा नाम जगदीश सोनी पिता हरबस लाल सोनी (JAGDISH SONI S/O HARBANS LAL SONI) दर्ज किया जाए।

निवेदक
जगदीश सोनी
निवासी एच 121 गुलाब भवन
भगवंती बस्ती गुना मप्र 473001